an>

Title:Need to compensate the farmers affected due to drought in Bihar.

श्री सतीश चंद्र दुबे (वाल्मीकि नगर): उपाध्यक्ष महोदय, आज बिहार की जो स्थिति है, वहां का किसान एक तरफ सुखाड़ की मार झेल रहा है और दूसरा जिस किसान के पास थोड़ा बहुत धान भी हुआ है, उसके उचित दाम देकर खरीददारी भी नहीं की जा रही है। किसान बिचौलियों के माध्यम से धान बेचने के लिए मजबूर हैं।

दूसरी बात मैं कहना चाहता हूं कि गन्ना हमारे यहां की मुख्य फसल है। गेहूं बोना है, किसान पटवन करके पम्पिंग सैट के माध्यम से आज गेहूं बो रहा है, गन्ने की बुआई कर रहा है और एक फसल काटने के लिए तीन-तीन बार पटवन करना पड़ता है, लेकिन उसे उसका उचित मूल्य नहीं मिलता है। चाहे वह गन्ना हो, चाहे वह गेहूं हो या धान हो।

मैं आपसे आग्रह करता हूं कि बिहार में सुखाड़ घोÂिात किया जाए और किसान के गन्ने का दाम बढ़ाया जाए और उन्हें उचित मूल्य देकर किसानों को मजबूत किया जाए। आज किसान दिन-प्रतिदिन मजबूर और लाचार होता जा रहा है। मैं इस पर आपका संरक्षण चाहता हूं, मैं आपके माध्यम से सरकार से कहना चाहता हूं कि आज किसान मजबूरी और लाचारी की स्थिति में बेकरार पड़ा हुआ है। मैं चाहता हूं कि केन्द्र सरकार मेरी मांगों पर ध्यान दे। धन्यवाद।